



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

KM/S/1988

सं. 252] नई दिल्ली, भृहस्पतिवार, नवम्बर 24, 1988/ग्रहायाना 3, 1910
No. 252] NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 24, 1988/AGRAHAYANA 3, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली हुई जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

सार्वजनिक मंत्रालय

(आपात आवार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 79 आई.टी.सी. (पी.एन.)/88-91

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 1988

विषय: — आधिक प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड (ए.पी.एस.ई.बी.) की श्री
सेनम लेफ्ट बैक पावर स्टेन्चन परियोजना (फेस-1) के
कार्यविधान के लिए 26.101 विलियन यैन के ओ.ई.सी.
एफ. (विदेशी आर्थिक महायोग नियंत्रित) अंग सं. आई.टी.
पी.-43 के अन्तर्गत उत्तरकर्मियाओं के आवात द्वारा लाइ-
सेंसिंग शाने।

फाइल सं. आई.पी.सी./23/(50)/88-91: — आधिक प्रदेश राज्य
विद्युत बोर्ड (ए.पी.एस.ई.बी.) की श्री सेनम लेफ्ट बैक पावर स्टेन्चन
परियोजना (फेस-1) के कार्यविधान के लिए 26.101 विलियन यैन के/
ओ.ई.सी.एफ. अंग सं. आई.टी.पी.-43 के अन्तर्गत उत्तरकर्मि/
मेन्याओं के आवातों को जारिंग करने जानी शर्तें जो इस सार्वजनिक

सूचना के परिशिल्षण में दी गई है, जानकारी के लिए प्रधिमूलित की जा
री है।

ह. /-

के. वी. इन्सीराया, मुख्य नियंत्रक, आपात-नियंत्रित

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 79-आई.टी.सी.

(पी.एन.)/88-91, दिनांक 24-11-88 वा परिशिल्षण

जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग नियंत्रि (ओ.ई.सी.एफ) द्वारा प्रदान
किए गए आधिक प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड (ए.पी.एस.ई.बी.) को श्री सेनम
लेफ्ट बैक पावर स्टेन्चन परियोजना फेस-1 के लिए यैन 26.101 विलियन
के यैन लोडिंग के अवैतन उत्तरकर्मियों के आवात के संबंध में
गाइडलाइंस दिया गया।

खण्ड-1 सामाजिक शर्तें

1(1) आधिक प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड की श्री सेनम लेफ्ट बैक
पावर स्टेन्चन परियोजना (फेस-1) की आपात आवश्यकता को विस्तार
करने के लिए जापान की विदेशी आर्थिक महायोग नियंत्रि (ओ.ई.सी.
एफ.) द्वारा प्रदान किया गया 26.101 विलियन यैन का क्षण जापान

और विकासमूल देशों में भारत भी शामिल है के लिए चुना है। गदवुगार इस केंटिट के अधीन अधिग्राहण की जाने वाली बहुत और सेवाएँ जागत ओर अनुबंध-1 की सूची में उड़ते सभी देशों से आयात की जा सकती है। ये देश इस कहां के अंगरेज पावर सोन देश होंगे।

(2) केंटिट के अधीन केवल उन्हीं मदों और उनीं मूल्य के लिए लाइसेंस जारी किये जा सकते हैं जिनके लिए महानिवालाय, लाइसेंस विवाह/पूँजीगत माल समिति द्वारा विशेष रूप से नियमों कर दी गई है। इस केंटिट के अधीन जारी किए गए आपात लाइसेंस (सो) येन का भूल 28.711 विविधत (जापान-बीमा-भाड़ा) येन से अधिक नहीं होना चाहिए।

आयात लाइसेंस का शर्यते में मूल्य गत्रज्व विभाग (भीमण्डुन्ड़े) द्वारा अधिकारित विविधत इस और आयात लाइसेंस जारी करने की नियम को प्रत्यक्षित दर और आयात लाइसेंस जारी करने की नियम को प्रत्यक्षित दर और मूल्य नियंत्रक, आयात-नियर्थन द्वारा जारी की गई सर्वजनिक सूचना में 78-गाईटी दी (पी.एन.)/7.4, दिनांक 6 जून, 1974 के पैरा-2 के अनुसार आयात लाइसेंस में संकेतिक दर पर नियर्थन किया जाएगा, जिसमें यह उल्लेख हो कि सोमाणुन्ह प्राविलारी और विद्युती मूद्रा के प्राप्तिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस (सो) में विविधिट मूद्रा विविधत दर पर लाइसेंस मूल्य के नाम स्थानग। लाइसेंस पर एक शीर्षक "जापानी येन झूण गं. आई.पी.पी.-43" होता। प्रथम और द्वितीय प्रस्त्रय के लिए लाइसेंस में "एम/जे/सी" कोड होता। पवित्री बंगल गत्रय विद्युत बोर्ड की नाइटेंस भेजने गमय मूल्य नियंत्रक, आयात-नियर्थन के पत्र में भी इसे दृष्टिगत जापान। जिसकी एक प्रति लिट मंत्रालय आपातक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) का पूर्णान्तर की जानी चाहिए।

(3) लाइसेंस जारी किया जा सकता है।

(4) आयातक की गुणिता पर निर्भर करने हुए एक ये अधिक आयात लाइसेंस केंटिट के अधीन जारी किए जा सकते हैं। लेकिन, कुप मूल्य 28.711 विविधत लागत बीमा भाड़ा येन से अधिक नहीं होना चाहिए जैसा कि उपर पैरा (2) में कहा गया है।

(5) आयात लाइसेंस की वैधता में आयातक द्वारा आवेदन करने पर 12 महीनों की और आगे की अवधि के लिए बुद्धि दी जा सकती है। आगे और बुद्धि करने के लिए/नियर्थन के लिए/नियर्थन के लिए आयात लाइसेंस जारी करने के लिए यदि कोई आवेदन तो उसे आपातक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

(6) केंटिट के अधीन विनदान किए जाने वाले आयात/नियर्थन लाइसेंस प्राविकारी द्वारा विविधत स्थानित संभवत माल और सेवाओं की गुची तक प्रतिविधित है।

(7) विदेशी मूद्रा के किसी भी परेवण की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय भ्रमिकर्ता के कमीण के प्रति कोई भी भुगतान भारतीय अभिकर्ता के भारतीय रुपये में किया जाना चाहिए। लेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और लाइसेंस पर ही प्रसाकित किए जाएंगे।

(8) पक्के ग्रादेण अनुबंध-1 में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी संभरकों को जहाज पर निःशुल्क लागत बीमा भाड़ा के आवार पर दिए जाने चाहिए और थ आयात लाइसेंस जारी होने की नियम से 4 महीनों की अवधि के पौराण आपातक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिए जाना चाहिए। ये पक्के ग्रादेण का भगतान भारतीय रुपये में भारत में केय होता। "एमके शादेण" का अर्थ भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा दिए गए उन अर्थ आवेदों से है जो विदेशी संभरक द्वारा विविधत हस्ताक्षित हों या भारतीय आयातक और भिवेशी संभरक द्वारा विविधत हस्ताक्षित कथ संविदा हो। विदेशी संभरकों के भारतीय अभिकर्ताओं के आवेदन या ऐसे भारतीय अभिकर्ताओं द्वारा पुरिकरण ग्रादेण स्वीकार्य नहीं है।

EXTRAORDINARY

(9) नार महीनों की अवधि के भीतर देशों की इस शर्त का नव तक अनुपालन किया गया नहीं ममता जापान जर्मन नक कि एक के पूर्ण इस्तावेन आयात लाइसेंस जारी होने की नियम से जार महीनों के भीतर विव मंत्रालय, आपातक कार्य विभाग इन्डिया। अनुभाग को नहीं पहुंच जाते हैं। यदि उपर्युक्त पैरा (8) में वय उल्लिखित पक्के ग्रादेण जार महीनों के भीतर वैध कारणों से जहा दिए जा सकते हैं तो जार महीनों के भीतर ग्रादेण नयों नहीं दिए जा सकते। इन कारणों का उल्लेख करने हुए लाइसेंसधारी को आयात लाइसेंस को संबद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिए। ग्रादेण देने की अवधि में बुद्धि के लिए ऐसे आवेदनों पर लाइसेंस प्राविकारियों द्वारा पावका के आवार पर f. तर किया जाएगा। वे अर्थात् से अधिक चार महीनों की और अवधि में निय वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन यह वृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने की नियम से 8 महीनों से अधिक के लिए यापी जारी है तो ऐसे प्रस्ताव निराकार रूप से मालेस प्राविकारियों द्वारा विव मंत्रालय, आपातक कार्य विभाग (जापान अनुभाग), नार्थ ब्लाक, नहीं दियों को भेजे जायें जो कि ऐसी बुद्धि के लिए प्रत्येक मासमें की पावका के आपात पर विवार करेंगे और आता नियर्थन लाइसेंस प्राविकारियों की भजेंगे। जिसकी यह लाइसेंसधारी की प्रवित करेंगे। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राविकारियों से केवल ऐसी बुद्धि प्राप्त करने याना एक वर प्रस्तुत करने पर ही प्राप्तिकृत अपाती और विशारीय पद्धतियों आयात लाइसेंस के अधीन लिए गए संभरण ठेहों में बेक गारंटी मार्ग-पत्र स्थानित करने के लिए प्राविकार पत्र तृत्य द्वारा जारी करने आदि यह स्वीकृति की प्रक्रमति दी जाएगी।

(10) आयात लाइसेंस वरे समाप्ति से जार महीनों के भीतर ममतो भुगतान पूर्ण कर देने चाहिए। माल के गोलनदान पर अवगत-प्रश्न भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेहों से नार्थ आवार पर अवगत-प्रश्न गोलनदान द्वारा विवों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। विदेशी संभरक से भारतीय आपातक को किसी भी किसी की छूट गुविक्षा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। माल के विवार की अवधि के लिए ठेहों में निम्नलिखित व्यवस्था होनी चाहिए:—

"मार्ग-पत्र की प्राप्ति के बाद, —— महीने परन्तु अधिक के अन्त तक पूर्ण किया जाना है।"

पोलनदान के लिए आविरी नियम लिखित करों में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि यह निय 31-12-1992 के बाद को न हो। खण्ड-2 संभरण ठेहों का मममीन रखने समय द्वारा में रखी जाने वाली विवों बाटों

(11) ठेहों का जहाज पर्सन निश्चिक लागत बीमा भाड़ा मूल्य में ये किसी भी विवारिति में अभिकर्ता नहीं होना चाहिए और इसमें भारतीय अभिकर्ता का कमीण यदि कोई हो तो वह जामिल नहीं होना चाहिए जो तो भारतीय रुपये में चुकाना चाहिए।

भारतीय रुपये या किसी अन्य मूद्रा में ठेहों का मूल्य किसी भी विवारिति में अभिकर्ता नहीं होना चाहिए। कम आवेदन और संभरण नार वृद्धिकरण आवेदन केवल अंग्रेजी में होना चाहिए।

(2) अर्थ की रकम से विव पोपिन किए जाने वाले भी माल और सोन अर्थ के अन्तर्गत अधिकारिति के लिए माल इस्तेन लिखितों के अनुगार निम्नलिखित मम्पुरक शरीर के साथ किए जाएंगे:—

(क) कम से कम 500 मिलियन येन के अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं/सोनों की अधिकारिति के मालत में:—

(1) यदि पूर्व अहर्वा महिन अधिकारिक खुली अन्तर्विद्युत नियिदा यदि विवारिति अपनाते का प्रस्ताव है तो अद्विकारिय की पद्धति के अनुमान द्वारा निया ओर इसी एक यो आवेदन पत्र प्रस्तुत करने वाले पूर्व अनुमोदन भाग किया जाएगा।

(2) सकल बोलीकार को निर्णय का नोटिस जारी करने से पहले बोली मूल्यांकन रिपोर्ट सहित निर्णय के अनुमोदन के लिए आवेदन पत्र ओ.ई.सी.एफ. को प्रस्तुप किया जाएगा। निर्णय और बोली मूल्यांकन के मनु-मोदन के लिए उपर्युक्त आवेदन पत्र के साथ-साथ पूर्वग्रहणी की मूल्यांकन रिपोर्ट, बोलीकारों को दिए गए नोटिस और अनुदेश, बोली प्राप्ति, प्रसाधित ठेका विधिविकरण और इडिंग थोर बोलों से संबंधित अन्य दस्तावेज ओ.ई.सी.एफ. को भी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(अ) 500 मिलियन येन में वर्ष अनुमानित मूल्य के साथ और सेवाओं परी परिप्राणित के साथये में ठेके के नियंत्र के लिए और ई.सी.एफ. के दृव्य अनुमोदन की इस शर्त पर आवश्यकता नहीं है कि निविदा की खेतों उचित शैफ से विभाजित की गई हों। लेकिन यदि और ई.सी.एफ. अनुरोध करें तो निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट शादि उमतों पुनर्जीवा के लिए प्रस्तुत की जाएंगी।

(ग) परम्परादर्शनों यों नियंत्रित किया जाएगा परन्तु उभया नियंत्रित थों, डी. सो., एक के भार्यादर्शी विद्वानों के अनुसार किया जाएगा। परन्तु नियंत्रिति प्रत्येकों के सम्बन्ध में थों, डी. सो., एक के पूर्व अनुगमनि प्राप्त कर सी जाएगी।

- (1) विचारार्थ मदे
- (2) परामर्शदाताओं के संघर्ष मूर्चे
- (3) निमेग्रण पद्धति
- (4) यासग मन्दाकन ऑट मिट्रिट मन्दाकन रिपोर्ट

(४) प्राणीनक उपर्युक्त (१) (क), (२) (ख) और (ग) में
उत्तिष्ठित प्रावेदन पन्थ इस्लामेज आधिक कार्य विभाग का
दो ग्रन्तियों में प्रस्तुत करेगा जो उपर्क द्वारा श्रा. ई. सो.
एफ. को भेजे जाएँ।

(२३) विदेश संग्रहक को भूमतात् उनके नाम में भारतीय बैंक, टोकिनो डारा १९४५-४६ के लिए आ. ई. सा. प.क. वन अंडिट (परियोजना महायाता) म. आई. डा. वी-४३ के अधान स्थाने गए अपरिचयन्त्र सांख्यक से साध्य हैं जिसका विवरण नीचे दर्शक अनु-२ में दिया गया है।

२(४) यात्रात्वादसेव के प्रति केवल एक ही गविरा की जानी चाहिए। लेकिन कुछ विशेष मामर्ता से एक से अधिक संवदा करने का अपूर्ण भी दो जा सकता है। जिसके लिए यात्रात्वादसेव गविरा होने की लिंगि के तुरन्त आद दिन मन्त्रालय, आविक कार्य विभाग (जलवायन घटनभाग) से अतिरिक्त प्राप्त कर देना चाहिए।

(5) समरक का पात्रता- - समरक पात्र स्वीकृत देशों के राष्ट्रिकू
होते हुए पात्र स्वीकृत देशों में शामिल किए गए तथा पंजाबीहन किए गए
पात्र स्वीकृत देशों के राष्ट्रिकू द्वारा जारी वेद्य विनियोग होते ।

2(6) श्रावक मूर्ति देशों से अनुसेव अव्याप्ति—जिन वस्तुओं में अपार रक्षात् देशों में बहुत हुई सामग्री निहत है उसमा दिलान किए जा सकते हैं इसके लिए निम्नलिखित गुण के प्रयोग परे उपाय गति एवं उपाय का मन्त्र मध्यवर्ती आवार पर अव्याप्ति भाग का ५०% से कम हो :

आयातित लागत रीसा भाडा मत्य- व्रायाम शुद्धि

मध्यक का अहोग पर तिक्कुल मूल्य
अपने साथी के साथ मैं प्रत्येक विद्युत उच्च उपयोग का लाभ

(7) संविदा में धोयणा:- प्रत्येक गंविदा में संभरक द्वारा भासा एवं संभरक का पात्रता और संभरक के दृष्टान्त और तारीख से निम्नलिखित धोयणा जोड़ी जाएगी:-

“मैं, अधोहस्ताक्षरी पदद्वारा प्रभागित करता हूँ कि संभवित किसी जीव के बाला माल (-----) संभवित पात्र स्वोन् देश का नाम) में उत्पादित है।”

"मैं अधिकारीहस्ताक्षर के आगे यह प्रसारित करता हूँ कि मेरे पुरुष जानकारी और विवाह के अनुसार अपात स्वतंत्र देशों से आयान्ति भाग निम्नलिखित सूच के अनुसार 30 प्रतिशत से कम है।:-

आयातित लागत वैमा भारा मूल्य+आयातक एक

मंभरक या जहाज पर नियन्त्रक मूल

(जहाँ एक स फैक्टरी मृद्युल लाग हो)

में, श्रीब्रह्मनारायण, गृहद्वारा भव्यापित करता हूँ कि-----
 (पात्र स्वोतं देश पा नाम) में ----- (कम्पनी का नाम)
 गमविष्ट श्रोर पश्चात्कृत हो चुको हैं श्रीब्रह्मन द्वारा देखों के गारिकों
 द्वारा नियंत्रित हैं ।"

खण्ड-३ भंभरण टेको में सभ.विष्ट को जाने धारी शब्द

३(१) भंगण टेकों में निम्नलिखित प्राकृतिक विषेश स्वरूप से समा-
यिष्ट होने चाहिए ।

(क) नेके की अवधि भारत मन्त्रालय और जलविद्युत को विदेशी आविष्क गहनता निधि (आई सी एफ) के बाइच और मैनम लेपट बैंक पात्र टेंशन परियोजना (फैस-1) के लिए येन क्रेडिट में आई ई पी-43 (भारतवास नहाया से संबद्धित) 10 करबरा, 1988 को हुए क्रह मन्त्रालय के अनुसार होमी चाहिए और यह भारत गस्कर और विदेशी आविष्क महायोग निधि के अनुमतिलाभ के प्रवाल होता।

(ग) मंभरकों को भूमाल, भारत सरकार और जपानी, विदेशी आधिकारियों द्वारा ही मौजूद की जानी चाही गयी थी। इसके बावजूद ये न कोई उत्तराधिकारी नहीं थे। ये न कोई उत्तराधिकारी नहीं थे। ये न कोई उत्तराधिकारी नहीं थे।

(ग) संभरक एमी गुचना और दस्तावेजों को प्रमुख कर्त्ते के लिए सहयोग देंगे। एक और भारत मराठा द्वारा और दूसरी ओर श्री. डॉ. सी. पैक. द्वारा ये न कठुन के अधिकार प्रतिष्ठित हैं।

(५) (६) में उन्निकृत प्रपत्र में प्रमाणात्म (तात प्रतियोगी) ।

(८) यदि पिर्सी मासने में संभरक जापान से विद्य हो तो संभरक संविधान के संबंध में एक भारत होना चाहिए, कि जापानी संभरक भारतीय दूतावास, टाकियों के परामर्श पर पांच परिवहन व्यवस्था करने के लिए सहमति है और इस उद्देश्य के लिए यह भारतीय दूतावास, टाकियों को, जापान माल को, सुवृद्धियों के फार्मरम से अवगत कराएगा और पातलदान ने गम से कम ६ गजाद्वय भारतीय दूतावास को सुचना देगा जिसमें कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष भारतीयों में, जहाँ भारतीय आयातक इच्छाएँ हो, सुचना को, ऐसे अवधियों कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को प्रत्येक पीतलदान के पश्चात् प्रावश्यक व्यवित्रि देते हुए, तारसे सुचना देजने के लिए सहमति होना चाहिए और उसके एक प्रात भारतीय दूतावास, टाकियों परे अपनी जांच करें।

बाण्ड-4 भ्रांति ई सो एक द्वारा ठेके को पुनरीक्षा

4(1) भाइसेसधारी को पक्के प्रादेश देने के लिए निर्धारित प्रवधि के भीतर दूर संचार विभाग और विदेशी संभरकों द्वारा विविहत् हस्ताक्षरित ठेके को द्वारा प्रतियों जो विदेशी संभरकों द्वारा विविहत् में पुष्टि प्राप्ति के साथ ही या उनको हर प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियों संगा वैध आयातक साइसेम को दो फोटो प्रतियों महिन और परिशिष्ट-2 के प्राप्ति में “प्राधिकार पत्र” जारी करने के लिए आवेदन का दो प्रतियों आधिकारिक कार्य विभाग को भेजतो चाहिए।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि सभी ठेकों के लिए भी ठेकों की विधि अस्तु के लिए अनिवार्य आशीर्वानों के कारण संशोधनों या उनको कामतों पर भी साधु होंगे।

4(3) यित संतालपाय (आधिक कार्य विभाग) ठेके को एक प्रति के साथ ठेके के निर्णय का नोटिस भी ई सो एक की पुनरीक्षा के लिए भेजेगा। ठेके के निर्णय के नोटिस और ठेके को एक-एक प्रति आधिक कार्य विभाग द्वारा भारतीय दूतावास टोकियो को और आयात नाइजीर को फोटो कारों और “प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए आवेदन” का एक प्रति के साथ सो ए.ए.ए.ए के कामीनद की भेजेगा।

बाण्ड-5 विदेशी संभरकों को भुगतान-साक्ष पत्र किया विधि

5(1) विन मंत्रालय, आधिक कार्य विभाग से ठेके के निर्णय का नोटिस और ठेके के दस्तावेज़ प्राप्त होने पर सहायता लेकर साथ सेवा परकार नियतक, बैंक आफ इडिया की टोकियो शाखा की समर्थीत त भलग्न अनुबन्ध-3 में दिए गए प्रत्यक्ष से एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा विदेशी संभरक की आफ इडिया की टोकियो आव सन्दर्भ विदेशी संभरक के नाम में संताल अनुबन्ध-4 (आयातों के लिए) के प्रपत्र में या अनुबन्ध-5 (सेवाओं के लिए) के प्रपत्र में एक अपरिवर्तनीय मालावास खालीगा। प्राधिकार पत्र का प्रतियों भी ई सो एक भारतीय दूतावास टोकियो, आधिक कार्य विभाग, विन मंत्रालय को पृष्ठाकृत की जाएगी।

5(2) प्राधिकारपत्र मिलने पर, भारतीय बैंक, टोकियो अनुबन्ध-4 (वास्तविक आयातों के लिए लागू होता है) या अनुबन्ध-3 (सेवाओं के लिए लागू होता है), के अनुसार संभवित विदेशी संभरकों के नाम में अपरिवर्तनीय साक्षपत्र को स्वापना करेगा और उनको एक प्रति विदेशी आधिक सहयोग निधि (भी ई सो एक) भारतीय दूतावास टोकियो में आयात के बैंक और सहायता लेकर एवं परोक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

स. ए. ए. ए. ए. से प्राधिकारपत्र के आधार पर साक्षपत्र खाली के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि संविधा संशोधनों या अन्यथा के लिए प्राप्तवाक्य मम्हों जल बाने ऐसे सभी अधिकार पत्र/पावरत्रों के संग्रहन पर स्वतः साधु होंगा।

5(3) माल का पोतलशान करने के बाद विदेशी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से साक्षपत्र में उल्लिखित दस्तावेज़ भुगतान के लिए बैंक आफ इडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। बैंक आफ इडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित भन्नराशि को विदेशी संभरक को उनके बैंकों के भाग्यम से विहा करेगा और उनके बाव आयातों को लाभान की भन्नराशि का प्रतिपूर्ति विदेशी आधिक सहयोग निधि से प्राप्त करेगा।

5(4) साक्षपत्र खाली, उसके प्रधान सेवान करने और विदेशी संभरक के बैंक के प्रधार श्रावि पवि कोई हो तो तो वे आयातक विदेशी संभरक द्वारा बहुत किए जाएंगे। भ्रा. ई. सो. एक. ठेके के मूल्य के 1/10 प्रतिशत (0.1 प्रतिशत) के बराबर श्रावि पवि पर वचनबद्धता पत्र जारी करेगा। यह बनराशि भ्रा. ई. सो. एक. द्वारा स्वयं अर्थ निधियों में से चुकाई जाएगी।

भ्रा. ई. सो. एक. या सहायता लेका नियंत्रक, विन भवान ये भुगतान को सूचना प्राप्त होने पर, आयात की वकाफ़दान पत्र के बाबी

के तुल्य धनराशि सखारी भेजे में जमा करनी होगी। भ्रा. ई. सो. एक. वो भुगतान को तिथि से साथा जमा करने को तिथि तक (दोनों तिथिया भागिता करके) व्याप्र में प्रदत्तित दर पर प्राप्तान द्वारा चुकाया जाएगा।

आधिक द्वारा प्रतिपूर्ति क्रिया विधि के तहत 0.1 प्रतिशत का इसी प्रकार वा अचां चुकाया जाना है। आयातकों द्वारा आयातों के लानन के मुगतान को तिथि से भ्रा. ई. सो. एक. द्वारा विदेशी संभरक की आधिकारी का निवि तक का प्रवधि ने विदेशी करके बैंक आफ इडिया, टोकियो को देव व्याज प्रभार का भारत सखार के लेखे को प्रभावित किए बिना सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से आयात में संभर आयातकों को बैंक द्वारा बैंक आफ इडिया, टोकियो की घन परेण करके भुगतान किया जाएगा।

5(5) प्रतिपूर्ति क्रियाविधि--भारतीय संभरकों से मानवीर सेवाओं के वितरण के निए प्रक्रिया व्याप्र सातों को प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के अनुसार होगी।

बाण्ड-6--स्वयं नियोग करने के लिए उन्नायित्व

6(1) बैंक आफ टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिशिष्ट में संकेतिक अनुमार आयातक के प्राधिकृत बैंक की पराक्रम्य जहाजरानी दस्तावेज़ भेजेगा और बैंकर इन बात को मुनिश्वित करेगा कि पोतलशान दस्तावेज़ रिलीज़ होने से पहले भारतीय रिलीज़ बैंक, नई दिली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिली में स्वयं निक्षेप कर दिया गया है। विदेशी संभरक को किए गए ये बिन मुगतान के समतुल्य गम्बे पर व्याज प्रभार की समय समय पर प्रचलित दर, जो बर्मान सनद में प्रथम 30 दिन के लिए 12 प्रतिशत प्रतिवर्ष है और आधिक प्रतिवर्ष के लिए 18 प्रतिशत प्रतिवर्ष है, पर विदेशी संभरक को बैंक आफ इडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तिथि से बास्तविक हप में जमा करने की तिथि सक का हिसाब लगाकर व्याज सार्वजनिक सूचना सं०३१--आई. टी. सी. (पी. एन.) /83 विनांक 10-8-1983 के अनुमार मूल भुगतान के साथ-साथ व्याज प्रभार सी मरकारी लेखे में जमा कराना है यह सी भी सोट किया जाना आहिए कि व्याज घोने बिनों के लिए अधिति जिस दिन विदेशी संभरकों को भुगतान किया जाता है और विन दिन दिन संभरकों लेखे में लगा जमा किया जाता है, देव है। देविंग सार्वजनिक सूचना सं. 103--आई. टी. सी. (पी. एन.) /76 विनांक 12-10-76 और सार्वजनिक सूचना सं. 31 आई. टी. सी. (पी. एन.) /83, विनांक 10-8-1983 द्वारा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74, विनांक 31-5-74 संभरक को किए जाने वाले भुगतानों की राशि और तारीख का सुनिश्चित करने के लिए आयातक की घटना से व्यवस्था करनी आहिए। बैंक आफ इडिया, टोकियो से आयातक के बैंक द्वारा पोतलश्वित अधिक दस्तावेजों की देवी या विन्वत में प्राप्ति की स्थापा नियोग पर लगने वाले व्याज की आविष्कार या पूर्ण धनराशि को भागात करने का आरण नहीं माना जाना है।

विदेशी संभरक को किए गए ये बिन भुगतान के समतुल्य स्थाये की गणता करने के लिए आयातों जाने वाली विनियम की दर भुगतान की सारीष को लागू नियम की यह भिन्नता वर होनी जी सार्वजनिक सूचना सं. 109--आई. टी. सी. (पी. एन.) /74, विनांक 3-8-74 और सं. 8--आई. टी. सी. (पी. एन.) /76, विनांक 12-1-76 में निर्धारित तरीके अनुगार नियम की गई हो जो मुझ नियंत्रक, आयात-नियति की सार्वजनिक सूचनाओं के साध्यम से या भारतीय नियंत्र बैंक के मुद्रा विनियम नियंत्रण परिस्त्री के साध्यम से भखार द्वारा भग्य समय पर ब्रावित की गई हो।

इस सम्बन्ध में और व्याज की दर के सम्बन्ध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर विन जाएगा। यह भुगतान को लिए भारतीय रिलीज़ बैंक भी दिल्लीहरी होगी कि देव घाराभि आयातों को आयात दस्तावेज़ भीतर से रहने

मरकारी खाते में ठीक प्रशार से जमा कर दी गई है। आयातक को प्रो पह मृत्युस्थित कर देना चाहिए, फिर देस धनराशि अपने अश्रद्धाताओं से दस्तावेजों की सुरुदंगी भेने से पहले मरकारी खाते में ठीक प्रशार से जमा कर दी गई है। यह गुरुनिष्ठित करने के लिए आयातक की जिम्मेवारी होती है देय धनराशि मरकारी खाते में ठीक प्रशार से तुरन्त जमा कर दी है भरने हीं जब वे विशेष परिधितिवां के अन्तर्गत सीमाजुलक प्राधिकारियों से माल की सुरुदंगी प्राप्त करते हैं। यदि आयातक मरकार को देव धनराशि के माल की सुरुदंगी भेने से पहले जमा कर देना नहीं आये के लिए उम प्राधिकार पर देना बन्द कर दिया जाए और भारत की विधें मुख्य नियंत्रक आयात-नियंति को दी जाए ताकि ऐसे आयातक को आये और आयात लाइसेंस जानी न किए जाएं। इस लेखा गीर्ण में उपर्युक्त राया निषेप किया जाएगा वह "के डिपार्टमेंट एड एंड एडविसरीज ४४३" मिलिय डिपार्टमेंट-डिपार्टमेंट फार परसेजिए एटक्सा अपार्ट परसेज एन्ड ड्रेफ्टमेंट्स/लोन एंड मेंटेंट, लोन कोम द्वि गवर्नरेट अपार्ट जापान २६, १०१ दिल्ली वैन फैट न, आई. ची. पी. -४८ फार दी थी और सलग लेसेट बैंक पायर रेटेन ग्रांजेट फैश-१ होना चाहिए।

6(2) अपर उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजेंच बैंक नई दिल्ली में या स्टेट बैंक प्राप्त ईंडिया, नीम हार्डी, दिल्ली में चालान के ऊपर दाहिनी और कोर्ट में कोड म. ५१३००००००९ का संकेत देने द्वारा मरकार की माल में गांधीजीका सूचना म. १५४-अर्डी टी. सी. (पी.एन.)/६८ दिनांक ३०-८-१९६८, म. २३३-अर्डी टी. सी. (पी.एन.)/६८ दिनांक २४-१०-६८, म. १३२-अर्डी टी. सी. (पी.एन.)/७१ दिनांक ५-१०-७१, म. ७१-अर्डी टी. सी. (पी.एन.)/७१ दिनांक ३१-५-७४ और सं. १०३-अर्डी. टी. सी. (पी.एन.)/७४ दिनांक १२-१०-७४ में गणा-निवारिन गर्ने से जमा होना चाहिए।

6(3) भारत मरकार, विन मंत्रालय, प्रार्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मार्ग किए जाने के बाद गत दिनों के भीतर भारत में आयातक का संबद्ध बैंक भी ऊपर विद्यार्थी नियंति में यह अनिष्ठित धनराशि लेकर खर्चों के निमित भेजेगा जो विन मंत्रालय (आयिक कार्य विभाग) द्वारा मार्ग जाए। चालान के विधिक कालीनों को भरने समय आयातकों/उनके बैंकों को द्वारा आते हो गुलिक्षित कर देना चाहिए कि गांधीजीका सूचना म. १३२-अर्डी. सी. (पी.एन.)/७१, दिनांक ५-१०-१९७१ के दैश २ में निर्धारित भूतता चालान के कालम "धन परेण्य" और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण नामों में निरवाद स्पष्ट सिए गए हैं। खजाना चालान में निम्नलिखित शब्दों निरपेक्ष गर्ने से प्रस्तुत करने चाहिए।-

(क) विन मंत्रालय के प्राधिकार पत्र की सम्मा आर दिनांक

(ख) वैन मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबद्ध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के माल निषेप किए जाने हैं।

(ग) विद्यार्थी संभरक को भुगतान करने की विधि।

उसके पश्चात् म. १०४-ए-एड द्वारा जारी निए प्राधिकार पत्र का मद्देन्द्र देते हुए और बीजक नया पांच परिवर्तन दरतावेजों को संनिधन करने हुए अंताना चालान एवं जमा का माल्य देते हुए पर्याप्त नाड़ द्वारा मी. ए. पी. एड.ए. को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी:- भारत में आयातक के बैंक को यह गुलिक्षण करना चाहिए कि यह दो नियंता भारतीय बैंक टोकियों की प्रशासनी की शुल्क

और अररिक्टनीय पोतलदात दस्तावेज की प्राप्ति के १० दिनों के भीतर नियंत्रित दर से किया जाना चाहिए और यह कि उसके तहान भारत सी. ए. प. एड.ए. विन मंत्रालय (प्रार्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली की सूनेत कर दिया जाएगा।

6(4) भारत में स्मबद्ध भारतीय बैंक की लाइसेंस की मुद्रा विन-मंत्र नियंत्रण प्रभु पर राया निषेपों की धनराशि आपूर्तिक भरना चाहिए और अप्रोतिन "एम" प्रभु भारतीय रिजर्व बैंक बम्बई को भेजना चाहिए।

छण्ड-७ विविध अवस्थाएं

7(1) आयात लाइसेंस के उपयोग करने की रिपोर्ट

आयातक का पोनलदान और उसके अवैतन विन, गए भुगतान और गोव धनराशि के बारे में सावधान लेने के बाद एक मासिक रिपोर्ट गश्ताना लेकर एवं लेकर विवरण, आधिक कार्य विभाग, विन मंत्रालय, य. सी.ओ बैंक विलिंग मंदिर मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

7(2) मंदरकों की विशेष शर्तों के बारे में अधिसूचित करना।

दाइसेंसवारी के आयात लाइसेंस में दिए गए किसी उस विशेष उपबंधों में गंभीर का अवयव करना चाहिए जो माल के लाने में संभरक पर नियंत्रण दालने हैं।

7(3) विवाद

यह वस्त्र लेना चाहिए कि आइसेंसवारी और मंदरकों के बीच कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत मरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। भारतीय बैंक टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले अंभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्त अनुबन्ध-२ में "भुगतान की शर्ती" के अन्तर्गत अपूर्णी तरह में स्पष्ट कर देना चाहिए। लाइसेंस की शर्तों में विवाद के नियटान में संबंध व्यवस्थाएं शामिल होती चाहिए।

7(4) भविता अनुबन्ध

भाशान लाइसेंस या उसके संबंध में उठ आई होने वाले किसी भास्त्रों या उसी भास्त्रों से मार्गदर्शन या अंतानी शाधिकारियों के साथ येन केडिट भवितान (परियोजना भास्त्रका) म. आई.सी.पी.-४३ के अधीन उसी भास्त्रों को विद्यार्थी शाधिक भविता नियंत्रण विभाग, आयात (ओ.ई.सी.एफ.) के साथ पूर्ण करने के लिए भारत मरकार द्वारा गमवानमय पर दिए गए नियंत्रण या प्रावेण्यों का लाइसेंसवारी को मुख्य पायन करना होगा।

7(5) अभिक्षण या उल्लंघन

उल्लंघन व्यंजनों में नियंत्रण की नई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात नियंत्रण अधिनियम के अवैतन उचित वार्षिकाहों की जाएगी।

7(6) अनुबन्धों की सूची

१. अनुबन्ध-१ पात्र स्तोत देशों की सूची।
२. अनुबन्ध-२ प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुरोध
३. अनुबन्ध-३ प्राधिकार पत्र का प्राप्त
४. अनुबन्ध-४ गमवानमय प्राप्त (आयातों के लिए लाग)
५. अनुबन्ध-५ गमवानमय प्राप्त (रोकों ने लिए लाग)

उपलब्ध-१

ताक्र सोन देशों की सूची

क. शिक्षासंशोधन देश तथा उसके देश

(क) विदेश अधिकारी गहराया से मिल विकाशणीत देश

1. अफ़्रीका उत्तरी महाद्वीप

मिथ्र

मोरक्को

दूरीशिया

2. अफ़्रीका दक्षिणी महाद्वीप

अंगोला

वेनिस

बोस्फोरा

बर्एर्डी

कैमरोन

कैप ब्रडे द्वीप

मध्य अफ़्रीका गणराज्य

चाद

कोयोटो द्वीप

कंगो, नाहुगो का गणराज्य

झूष्ट्रोट्रिप्पल गणराज्य (१)

द्विषेपिया

जाम्बिया

घाना

गुयाना

आइकरी कोस्ट

केन्या

लेपोथा

लाइब्रिया

माल्टीप्रा प्रणाली

माल्वार्ड

माल्वी

मार्गेश, मार्टिनिया

मुजाहिदक

नाईगर

पूर्वभार्ती नृगण्यम्

प्रियूनियम्

रोडेशिया

खालडा

सेंट हेलिना और द्वीप (२)

स.ओ.टोर्मा और प्रिसिपान

सेनेगल

सीचर्लाज

सीक्रेटियोन

सोमालिया

त्रिटन

स्विटजरलैण्ड

ट्रिंटी अवगम्य और इन्द्राव

टोनी

यूगान्डा

(१) पहले सेव गिनी का प्रदेश फ़राओं पो के द्वीप भाइन।

(२) निम्नलिखित द्वीपों गढ़ित : अमन्डन, ब्रिटेन्डा, इत एसोविपार, नाइट्रिनोन, एफ़

(३) मुज़ा द्वीप भूद्व फ़राओ, चोगाशै, भूर्याशाओ, गाता

संगतिया गणराज्य संघ

श्वर बोल्टा

जाएरे गणराज्य

जाम्बिया

३. अगरेका, उत्तरी और केन्द्रीय

बर्मूदा

बारबोडोम

बेर्लीज

फ़ास्टा रीका

क्यूबा

डामिनिकन गणराज्य

एल सेल्वाडोर

वाटेमला

हैती

ब्राझीरल्य

जूमेका

मार्गीनिक

मधिग्या

नीदरलैण्ड एन्टीलीज

निकारागोआ

पनामा

सेंट पियरे और निकोस

ट्रिनिडाड और टोबागो ।

३. घनेरीका उत्तरी और केन्द्रीय

वेस्ट इंडिया गण्या एन. आई.ई.

(क) महान्महन्य गण्यम् (१)

(घ) आधिन (२)

४. ददिर्णा अनेरिया

भर्जस्टीन

भौलिया

जार्जील

चिर्ली

कोम्पिया

फ़ालक लैण्ड द्वीप गन्दू

फ़ाल्स

गुयाना

पराग्वे

पीक

सूरिनाम

जूबे

५. मध्य पूर्व एशिया

महरीन

इन्द्राश्ल

जाईन

निब्रनान

आमान

तिरिवाई अख्य भगरंव

(१) मध्य द्वीप एस्ट्रिंग्या, डोमिनिका, गेनेडा, सेंट किट्टा (सेंट पियरिटोका), नेविन-प्राइडा, सेंट लुसिया और सेंट बिलेस्ट

(२) मेन आई लाइ, बोन्फेरेय, भंवान इर्ली और काइकोन और त्रिटेय बर्गेन द्वीप गपुदे ।

गूताइटिक शब्द अभिग्रह (3)

यमन अरब गणवंत
यमन जनवादी का ही. आर. (4)

6. विनियोगिया

अफ़्रानिस्तान
बंगला देश
भूटान
बार्मा

7. भूद्वार पूर्वी एशिया

बाहरी
जांग कांग
आमेर भणवंत
कोरिया गणवंत
नाओन
ग्रानाथो
मनेशिया
फिनियान
मिनापुर
नाहवान
वाइनेण्ड
त्रिमोर
वियतनाम गणवंत
वियतनाम जनवादी गणवंत

८. पूरोप

बाइजाप
जिशाल्टर
धीक
काल्टा
प्रैन
हुक्के
यूरोपनविया

(क-- 2) औ. पा. ही मी के सदस्य या महायोगी देश

बल्जीया
बालिविया
नीबियाई अरब गणवंत
गैवोन
नाहजीरिया
इकियडोर
सैन्यला
ईगान
ईरीक
कुर्दैत
कातर
गाउडी अरब
आबू बाबी
इन्डोनेशिया

8. ओसिनिया

कोक द्वीप समूह
फिर्ज
फिल्वर्ट और हनाहम द्वीप
क्रानिस पोनिनेशिया (5)
नार
न्यू फ़िलिपिन (य. और क)
नियु
पैसीफ़िक द्वीप समूह (समृद्ध गज्ज) (6)
पापुवा न्यू गिनी
सोलोमन द्वीप समूह (आ.)
टोगा
बालिस और फुनुना
पैचिचर्मा भानोआ
गालडौग
नेपाल
पाकिस्तान
थ्री लंगा

(3) अजनन, दुर्बल, फ़जाइरत, रात भ्रा औमाह शरवाह और उन्म अल कविबन।

(4) अदन और खिम्ब सलतनत और जमीराम सहित।

(5) सोमायटी आई लैण्डस समूह (ताहिली सहित) को शामिल करते हुए आस्ट्रेल द्वीप समूह, दूष्यमोठ, जाम्बियार सुप और मार्गेसल द्वीप समूह।

(6) दैगिपिक द्वीप का दृष्ट प्रदेश, कारोलीन द्वीप, मार्शल द्वीप समूह और मैगिना द्वीप समूह (गभ को लोक्कर)

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्रार्थना पत्र

संघ्या दिनांक

सेत्रा में,

ग्राह्यपत्रा लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय, प्राधिग कार्य विभाग,
यू. सी. ओ. बैंक विल्यग, प्रथम भैंजिल,
पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

चित्रय : येन केशिट भं. आई डी पी. (198-8

के लिए परियोजना सहायता) के अंतर्गत का
आयात।

महांदेव,

ऊपर उल्लिखित येन केशिट भं. आई.डी.पी. (परियोजना सहायता) के अधीन से के
आयात के सम्बन्ध में (बैंक का नाम) जो
कि यही होना चाहिए, जो पीचे (८) में सम्बद्ध समुद्रपार संभरक के
नाम में सख्तपक्ष छोलने के लिए दिया गया है कि प्राधिकार पत्र
जारी करने के लिए हम आपको निम्नलिखित घोरे प्रस्तुत करते हैं :-

(क) भारतीय आयातक का नाम और पत्र।

(च) आयात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और वह
लागी ख प्रिस तक वैध है।

(ग) प्राप्ति के तरीके का वह सीधे वय या ओप-
चारिक लूपे अन्तर्राष्ट्रीय निविदा पर आवारित है। इसके
मामले में यदि कोई कारण हो तो कारण सहित यह सेकेतिक
होना चाहिए कि क्या संवेदा का लिए प्रार्थना न्यूनम
तापनीयी प्रतीक के आधार पर किया गया है।

(प) माल का संक्षिप्त विवरण।

(द) माल का उत्तम देश।

(घ) यदि कोई हो सो दाता से इन खोले देशों में आयनित संभवतों का प्रनिधन।

(च) गविदा का शुल जहाज पर निःशुल्क/दत्तावत और भाष्ट्र मूल (मेन में)।

(ज) यदि कोई हो तो भारतीय एजेंट के कमीशन की घनगणि (मेन में)।

(झ) बास्तविक जहाज पर निःशुल्क/लागत और भाष्ट्र (मेन में) जिसके लिए प्राधिकार पत्र माना गया है।

(झा) ममदारार के संभवों के माथ की गई संकिदा की गंभीर एवं दिनांक।

(ट) विदेशी संभरक का नाम, पता और गाड़ीगता।

(ठ) अंगुलाना या असंवादित नियिंगों और कोंकणी संविदा के अन्तर्गत भुगतान देश होये।

(उ) मुद्रांकों को पूर्ण करने को प्रत्याशित विधि।

(ड) नैक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करने समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सैट की भेंडवा और इनका निपटान दियाने हुए)।

(ण) पोतलदान अनुदेश (वाहनान्तरण/पार्ट-शिपट में की अनुमति) दी गई है या नहीं रिंगट फीजिए।

(न) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।

(थ) क्या उसी लाइसेंस के अन्तर्गत संविदा (संविदाएं) और वी गई हैं और जापानी प्राधिकारियों को प्रधिगृहित कर दिया गया है, यदि हाँ तो मैंने प्रत्येक संविदा की संक्षय, दिनांक और मूल्य और यिन भेंडवाय का वह संदर्भ शिक्षक जंडां और ई.सी.एफ. को इसे अविसूचित किया गया है।

(द) क्या सांख्यक के संचालन और रेल-रेखाओं के लिए मैंने आफ इंडिया, टोकियो को देश बैंक खर्च आयातों या संभरकों द्वारा बहन किए जाने हैं।

(प) आयातक द्वारा बचनबढ़ना

“हम एनडब्ल्यू भरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और दूसरे से विदेशी संभरकों को किए गए भुगतान के गमनुच्छ लाये को पूर्ण और मठी जमा करने का बचन देते हैं। प्रत्येक निषेप सात (आयातित भास्ट्रों) की मुद्रांकों योपने में पूर्ण तर्काल ही घनगणित जमा बनाई जाए ही। विदेशी रार्ड्यूअता बालों की मेलाओं के लिए भुगतानों के मामले में यिए गए ऊपरी ही विदेशी संभरकों के सम्बद्ध बींजक हमारे द्वारा अनुमोदित कर दिए जाएं और संभरकों को भुगतान कर दिया जाए या वो ही घनगणि जमा करा दी जाए।

(प्राधिकार पत्र का प्राप्ति)

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

नई विलीनी, दिल्ली

सेवा में,

बैंक आफ इंडिया,

टोकियो ग्राहा,

टोकियो (जापान)।

विधय:- यैन क्रेडिट (परियोजना सहायता) क्रहन करार सं. आई. बी. पी. ————— के अवधीन भारत साक्षात् खोलने के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय, महीदल,

आपके बैंक के साथ दिनांक ————— को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपका एतद्वारा यथा संवेदन व्यारे के अनुसार संबंधी ————— के नाम में ————— यैन घनगणि के लिए अपरिवर्तनीय सांख्यक खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाना है।

2. आपके बैंक द्वारा देने गए प्रत्येक सांख्यक की प्रति आयातक के बैंक ओ. ई. सी. एफ. भारतीय दस्तावास, टोकियों और हमें पृष्ठांकित की जाए।

3. सांख्यक की शर्तों के अनुसार प्राप्तमध्य में संभरकों की भुगतान आपकी निधि में किया जाएगा। भुगतान के माथ और ई.सी.एफ. की आवश्यक दस्तावेज भेज कर दिए गए भुगतान की प्रतिपूर्ति का दावा ढकाया करना चाहिए।

4. विदेशी संभरकों की अदायगी करने रामय आपके द्वारा ————— (आयातक के बैंक के नाम व पता) मूल पोतलदान दस्तावेज (विनियम), अनिवार्य पूर्ण दस्तावेजों के सैट के माथ तथा संभरकों को की गई अदायगी की नामे डालने की सूचना तत्काल अवश्यकीय यदि कोई की गई हो, तो उसकी प्रति भेजी जाए।

5. संभरकों की आपके द्वारा किए गए भुगतान की विधि से ओ. ई. सी. एफ. द्वारा आपकी उम्मीद प्रतिपूर्ति की विधि तक के बीच के समय के लिए आपको चुकाए जाने योग्य व्याज प्रभार भारत सरकार के लेखे पर प्रमाण डाले विना गमान्य ईंकिंग ग्रॉबों के माध्यम से भारत में संबंध आयातक के बैंक के साथ आपके द्वारा निर्णीत यिए जाएंगे। बैंकों के अन्य खर्च विधि में सांख्यक खोलने, रेल-रेखाओं करने और सांख्यकों को आपरेशन करने और सौदा सबर्धी दस्तावेजों के संचालन में संविधित और यदि कोई हो तो विदेशी संभरकों के खर्चें भी विदेशी संभरकों/आयातक को हो देने पड़ेंगे और उसलिए आयातक द्वारा उनका भुगतान नहीं किया जाएगा और उसलिए उन्हें रीटी ही श्रायतक या संभरकों से प्राप्त किया जाए। इस प्रकार ये संभरतानों की प्रतिपूर्ति का दावा ओ. ई. सी. एफ. से नहीं किया जा सकता है।

6. जैसे ही आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाता है और उसकी प्रतिपूर्ति आपको कर दी जाती है तो उसकी सूचना निर्धारित पत्र में इस मंत्रालय को भेज दी जानी चाहिए।

7. यह प्राधिकार पत्र समुद्र पार संभरकों के नाम में सांख्यक खोलने के लिए है। सांख्यक के बाद में किए जाने वाले संशोधन या इस प्राधिकार के महे भविष्य में सांख्यक इस मंत्रालय से विशेष प्राधिकार प्राप्त किये जिन विषय नहीं होंगे।

8. ५१ दिनांक ८ नवंबर १९६८ तिथि रहेगा।

9. कृता इस कठार के संबंध में सभी प्रश्नार के पत्र व्यवहार के लिए इन पत्रों में शार्ते में वो गई रखेंगे जो उल्लेख करें।

भ्रवीय,

(मंत्री अधिकारी)

प्रति निम्ननिवित को प्रेषित है—

1. प्रायातक ----- तो उसके गत सं. ---
दिनांक के ----- के संबंध में।

उत्तर भ्रवीय है कि वे वैकरों से विनियम दस्तावेजों की छिलीवरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से भ्रमने वैकरों के माध्यम से रुपया निकेप आदि जना कराने का प्रबंध करें। यदि अपवाह स्वस्थ परिस्थितियों के कारण माल की छिलीवरी सीधे ही सीमाशुल्क और पत्तन प्रावितारियों से मूल पोतलदान दस्तावेज भेजे जिना ही प्राप्त कर ली जाती है, तो छिलीवरी लेने से पूर्व ही निकेप किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रोंहीं द्वारा वो यदि सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही सम्बद्ध बीजक भुगतान द्वारा अनुमोदित हो जाएं, तिकेप कर दिए जाएं। निकेप जल्दी ही और ठीक से न करने पर साइरेस की शार्तों में उल्लिखित आवश्यक कार्रवाई की जा सकती है।

2(1) आयातक के वैकर ----- यह आयात लाइसेंस संचार ----- दिनांक ----- के संबंध में है। यह प्राविकार पत्र यैन लेडिट के अन्तर्गत प्रभावी आयात लाइसेंस भर्तों के बारे में जारी किया गया आयात/विवेशी भुगतान करते समय उचित कार्रवाई के लिए साइरेस शर्तों तथा संबंधित सार्वजनिक सूचना/प्रावेश आदि को दें।

2(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि वैकर भ्राफ इंडिया, टोकियो बांच से व्यापार व्याप्त करने पर विदेशी संचारकों यैन भुगतान के बराबर रुपये जमा करने की व्यवस्था करें। संचारकों को चुकाई गई छन दायि के बराबर रुपये की गणना सार्वजनिक सूचना सं. ४ मार्ईटी सी (पी एन)/76 दिनांक 17-1-76 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-प्रमाण पर जारी की जाए के अनुसार विदेशी संचारकों को नुगतान करने की तिथि को यथा प्रबलित परिवर्तन की निश्चित दरपत्र की जाए। प्रथम 30 दिनों के लिए 12% वार्षिक दर से और इससे अधिक अवधि के लिए 18% वार्षिक दर से आज जो कि संचारकों को भुगतान की तारीख वैकर भ्राफ इंडिया को प्रदिवूत की तारीख और जिस तारीख को समयुल्य रुपया भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाता है उन दो अवधियों के बीच की अवधि के लिए गिना गया है उसे भी सार्वजनिक सूचना सं. ३१-मार्ईटी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 के अनुसार भारत सरकार के लेखों में जमा करना अनिवार्य है। आज दोनों दिनों के लिए देवें है अर्थात् वह तारीख जिसको विदेशी संचारकों को भुगतान किया जाता है और वह भी तारीख जिसको भारत सरकार के लेखों में रुपया जमा कराया जाता है। (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाएगा उसे सूचित कर दिया जाएगा)। यह सुनिश्चित कर नेता चाहिए कि आयातक को सीमाशुल्क नियांसी के लिए आयात दस्तावेजों का नूल सेट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जानी है।

वे धनराशियों या तो भारतीय रिज़ब बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, सीस ब्ल्यूजरी में चालान के बाहिनी और कोड सं. 5130000009 दर्शते हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं. 184-मार्ईटी सी (पी एन)/68, दिनांक 30-8-68, 233-मार्ईटी सी (पी एन)/68, दिनांक 24-10-1968, 132-मार्ईटी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 सं. 74-मार्ईटी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-1974 सं. 103-मार्ईटी सी (पी एन)/76 दिनांक 12-10-76 में दिए गए प्रावेशानों को जोर दिया जाता है। वह लेखा शीर्ष जिसमें

रुपया जमा कराना है, ये 'के डिपार्टमेंट एंड एडवाइस-843-प्रिविल इंडियास-डिपार्टमेंट फार परेजिट एटेसेट्रा भ्राफ़मन्डर परेजेज लेडिट सोन एर्सेमेंट' लान काम द गवैनमेंट भ्राफ़ आपान ----- विलियन यैन लेडिट (परियोजना सहायता) सं. आईटी पी फार है।

जिन मामलों में सुल्य रुपया रिज़ब बैंक भ्राफ़ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक भ्राफ़ इंडिया, रीस ब्ल्यूजरी में सार्वजनिक सूचना सं. 132-मार्ईटी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार मकान जमा किया जाता है, उनके चालान की मूल रुप में एक प्रतिलिपि वैकर भ्राफ़ इंडिया टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणी का पूर्ण विवरण देते हुए अप्रेषण पत्र सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजी जाएगी—

सहायता लेखा लथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,

वित्र मंत्रालय (आधिक कार्य दिवाल),

पहसू इंडिया, यू. सी. बी. बैंक बिलिंग,

संसद मार्ग, नई दिल्ली - 110001

जिन मामलों में सुल्य रुपया उपर संकेतिक सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-4-10-68 में यथा डर्लिंग दर्शनी हृष्टी द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामले में, जमा किए गए सुल्य रुपये का पूरा अधीरा इस विभाग को भेजना चाहिए।

संचरक की भुगतान करने की तिथि और ओ. ई. सी. एफ. द्वारा भ्राफ़ इंडिया, टोकियो को उसकी आयाती की तिथि के बीच की अवधि के लिए वैकर सूची के माध्यम से भारत सरकार के सेवे पर प्रभाव डाले जिस वैकर भ्राफ़ इंडिया, टोकियो के साथ नियंत्रित किए जाएंगे।

3. निदेशक, अर्जन विभाग-2 समझौता आधिक सहयोग निधि टाका-मासी गोड विलिंग, 4-1 ओहटमेसं-1 चोम, विमोडा कू, टोकियो 100, आपान।

4. भारतीय इताबास, टोकियो

5. अवर संवित्र, आपान अनुभाग, विस इंड लय, आधिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

(लेखा अधिकारी)
उपायकाल - 4

प्रपक ओ. ई. सी. एफ. एस. सी - 1

अपरिवर्तनीय साक्षपत्र

(माल के लिए सापूर्ण)

दिनांक

सेवा में,

----- यह साक्षपत्र (हरणी) और विदेशी आधिक सहयोग निधि के बीच हुए अर्जन कारार संबंधों -----
दिनांक के अनुसार में जारी किया गया है।

महोदय,

हम प्रापकों सूचित करते हैं कि हमने आपके माम भैं हमसे निकामे जमा वाले बीजक के पूरे मूल्य के लिए इन्स्टेट्रा द्वारा उपसंध रकम या रकमों के लिए अपरिवर्तनीय माल पत्र सं. ----- लेखा दिया है औ ----- (अर्थात् यैन) को कुल धनराशि से अधिक नहीं है। इसे निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ भेजा जाना है—

इस्ताक्षरित आणियिक बीजक, समुद्री पोतलदान विस जिसमें दिए गए आदेशों का पूरा सेट ही ब्लैक प्लॉकिट एवं निहित "फेट एवं मोटिकाई" अवित एक हुए अन्य दस्तावेज।

प्रमाणित पोतलदान (माल के लवाने का संक्षिप्त विवरण) संविदा सं. ----- (यदि कोई हो) के संबंध में ----- से

भाष्यिक प्रदर्शन स्वीकृत है। काहनारेण शीकृत है। लक्षण चिल के बाब की तिथि का नहीं होना चाहिए। ड्राफ्ट तक बातचीत के लिए अवश्य प्रस्तुत किए जाने चाहिए। इस जटा के अंतर्गत सभी ड्राफ्ट तथा दस्तावेजों पर “अपरिवर्तनीय सामग्री सं.” — विनाक के अंतर्गत विकलवाया गया और आयात संवर्ध सं. — (संख्यां) ” (यदि कोई हो) अंकित कूना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

इस एतत्त्वारा वधन देते हैं कि इस क्रेडिट के अंतर्गत और इसी गती का अवधारण करके निकलवाए गए सर्व ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशियों को दस्तावेजों की सुमुद्रिती पर विविध रूपोंकार किए जाएं।

जब तक अवश्यक रूप से विस्तारपूर्वक न बनाया जाए कि क्रेडिट ‘यूनिफार्म कस्टम एंड सेटिन फार डाक्यूमेंट्स क्रेडिट्स (1974 रिपोर्ट) इष्टरेशनल ऐम्बर आफ कामर्स विविध रूपोंके बाबत सं. 290” के अधीन है।

सीदा करने वाले बैंक के लिए विवेक अनुदेश:—

1. उपर्युक्त जटा करने के अंतर्गत जारी किए गए वधन पक्के छवियों के अनुपार विवेकी आधिक महोना तिथि बाब इसारे भुतान के लिए प्रतिवृत्ति प्राप्त करने के बाब इस वधन देते हैं कि इस सीधा करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुगार दुष्टी की धनराशि को लीटा दें।

2. सीदा करने वाले बैंक को यह बताने हुए इस ड्राफ्ट और दस्तावेजों का एक पूर्ण सेट और उसके बाब एक प्रमाणात्र अवश्य भेजें कि शेष दस्तावेज संवेदी हैं। इसारे इक द्वारा — विविध रूपोंके बीच दिए गए हैं।

3. इस क्रेडिट के अंतर्गत सभी बैंक के बाब प्रागतिक/संतरक के लिए है।

अवश्य,

()

आधिकारिक बैंक

द्वारा —

प्रतिवृत्ति हस्तांतर

भुतान अनुसूची

यह भुतान अनुसूची इसरे विवाद में, — का एक अद्वितीय भाँा है।

1. प्रारंभिक भुतान

घनराशि — यैन

कुल संविदा मूल्य का — प्रतिवृत्ति है।

प्रसेक्षित दस्त वेज़:

लाक्षणारी का विवरण

अंगिम भुतान तिथि:

2. भुतान बृद्धि

सम्पूर्ण योग: धनराशि — यैन

कुल संविदा का मूल्य — प्रतिवृत्ति

निम प्रकार से भुतान किया जाता है:—

देय धनराशि अंगिम भुतान तिथि

हनो फिस्ट, वैन —

बूमले फिस्ट थैन —

प्रसेक्षित दस्तवेज़: (अग्नी अधिकार उसके भानोतीत प्राप्तिहारी) द्वारा जारी किए गए निषादन के विवरण ही एक प्रति विवरण एक प्रपत्र संशान है।

उपराख्य — 5

(प्रति ओर ई सो एक एन सौ — 2)

(अभिवर्तनीय साथ — पत्र)

(वेवार्जों के गिर लागू)

दिनांक

वेवा में,

—गड भाजपत्र (झार्णी) और विवेशी आधिक सहयोग तिथि के बीच हुए जह करार

—से, — विनाक —

के भन्सला में)

(संसरक का नाम व पता) वारी किया गया है।

विव भवेत्य,

इस आपात्र स्वित करो है कि इसारे न ग में विवानों के लिए पूर्ण और मूल्य के लिए जारारी ड्राफ्ट एवं पहल द्वारा उपलब्ध रूप मार्गदर्शकों के लिए घरों नाम में इसने अपरिवर्तीय संज्ञाव में, — खोल दिया है ओर पौरा — (पैर —) को कुल धनराशि से अधिक नहीं है।

इसमें संलग्न भुतान अनुसूची के भन्सर औरिनित (परियोजना के संबंध में टेका से, —) से संबंधित दस्तवेजों को संवेदी करना है सीधा तर दस्ते के लिए ड्राफ्ट — से पहले प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

सभी ड्राफ्ट और दस्तवेजों पर “वारिदारीय क्रेडिट न, — के अंतर्गत ड्राफ्ट” विवा होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

इस एतत्त्वारा वधन देते हैं कि इस क्रेडिट के अंतर्गत दस्तों मानों का अनुगार करके भुतानी भये तसों ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और अदेशियों को दस्तवेजों की सुमुद्रिती पर विविध स्वेकार किये जाएं।

जब तक अवश्यक रूप से विस्तारपूर्वक न बनाया जावे, यह क्रेडिट ‘यूनिफार्म कस्टम एंड सेटिन फार डाक्यूमेंट्स क्रेडिट्स (1974 रिपोर्ट) इष्टरेशनल ऐम्बर आफ कामर्स नं. 290” के अधीन है।

सीदा करने वाले बैंक को विवेक अनुदेश:

1. इसमें संलग्न प्राप्ति के अनुगार (झार्णी और इन्हें भनावान भ्रित्यारी) द्वारा जारी किये गये विवाद के नूर दिया का पात्रि के प्रवाह इस क्रेडिट के अंतर्गत भुतान इसमें संलग्न गांठ में निर्वाचित भुतान अनुसूची के अनुगार प्रिये जाने चाहिए। प्रारंभिक भुतान के मामने में उपर्युक्त निषादन के विवरण के बाब लाक्षणारी विवरण की अवश्यकता है।

2. उपर उल्लिखित जह राशि दस्तवेजों के अंतर्गत पर किए गए वधनवस्तु पक्के के उपवर्त्यों के अनुपार विवेशी आधिक सहयोग तिथि से प्रस्ते भुतान के लिए प्रतिवृत्ति पाप्त करने के बाब इस अनुसूची भी धनराशि जा सो। तोत करने वाले वैक द्वारा जारा किए गए अनुदेशों के भन्सर प्रेषित करने का वधन देते हैं।

3. उपर्युक्त मर्यादा 1 में याता उल्लिखित वस्तुओं को एहत प्रति और ब्रूफ़ इसमें उल्लिखित के नुस्खा बदल ही देने वाले हों।

4. इस साक्षात् के अंतर्गत बैंक के भवों जब्ते आयातकों/संग्रहणों के सेवों के लिए हैं।

भारत,
वाणिज्यिक बैंक
द्वारा —————
(प्राप्तिक्रिया इस्तेमाल)

भूगतान अनुमति

यह भूगतान अनुमति इसमें तथापत्र से, —————— का एक अधिकृत अंग है।

1. प्रारम्भिक भूगतान

घनतराणि —————— येत

कुल संविदा नुस्खा का —————— प्रतिशत है।

प्रभेक्षित दस्तावेज़ : यातावारी का विवरण
अंतिम भूगतान तिथि :

2. द्वारा देते

सम्पूर्ण योग : घनतराणि —————— येत
कुल संविदा का नुस्खा —————— प्रतिशत
नियन्त्रकार से भूगतान किया जाता है:—

देवघनतराणि अंतिम भूगतान तिथि

पहली किस्त येत
दूसरी किस्त येत

प्रभेक्षित दस्तावेज़ : (द्वारा जारी उके मरोनात् यातिकरी) द्वारा जारी
किए गए नियावत के विवरण की एहत प्रति जिसका
एक प्राप्त संलग्न है।

नियावत का विवरण
दिनांक
समर्थक

सेवा में,

(देवघनतराणि का नाम और पठा)

स्वतंत्र :— अप्रूप करार से, —————— के अंतर्गत ——————
प्रतिलिपि से संबंधित —————— के नाम के ——————
येत के लिए —————— द्वारा जारी किए गए
मालामाल की से, —————— दिनांक ——————

म प्रयोद्देशकारी, प्रतिलिपि (क्र०) एतद्वारा ——————
और —————— के बोब समन्वय से, ——————
दिनांक —————— में निहित भूगतान का शर्तों के अनुसार समुद्रपार
प्राप्तिक सहायता नियावत —————— का घनतराणि (—————
येत के लिए) यातावारी को लिए एतद्वारा इन
विवरण अर्थी करता है।

(अप०)
प्रया ——————
(प्राप्तिक्रिया इस्तेमाल)

विलोप अनुमति :—

वास्तविक नियावत का विवरण इसमें उल्लिखित त्रै में दर्शाया जाएगा

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE No. 79-ITC(PN)|88-91

New Delhi, the 24th November, 1988

Subject : Licensing Conditions for import of equipment|services under OECF Loan No. ID-P. 43 of Yen 26.101 Billion for Srisailam Left Bank Power Station Project (Phase-I) of the Andhra Pradesh State Electricity Board (APSEB)—regarding.

F. No. IPC|23(50)|88-91.—The terms and conditions governing import of equipment|services under OECF Loan No. ID-P. 43 of Yen 26.101 Billion for Srisailam Left Bank Power Station Project (Phase-I) of the Andhra Pradesh State Electricity Board (APSEB), as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

Sd/-

K. V. IRNIRAYA, Chief Controller
of Imports & Exports

Appendix to the Ministry of Commerce Public Notice
No. 79-ITC(PN) 88-91 dt. 24-11-88.

LICENSING CONDITIONS IN RESPECT OF IMPORT OF EQUIPMENT AND SERVICES UNDER THE YEN CREDIT OF YEN 26.101 BILLION FOR IMPLEMENTATION OF THE SRISAILAM LEFT BANK POWER STATION PROJECT (PHASE I) OF THE ANDHRA PRADESH STATE ELECTRICITY BOARD (A.P.S.E.B.) EXTENDED BY THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND (OECF) OF JAPAN.

Section I—General Conditions

I (i) The Yen Credit of 26.101 billion extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the Srisailam Left Bank Power Station Project (Phase I) of Andhra Pradesh State Electricity Board is united in favour of Japan and developing countries including India. Accordingly the goods and services to be procured under the credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

I (ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTD|CG Committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed Yen 28.711 billion (CIF).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)|74 dated the 6th June, 1974, issued by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and the

authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. ID-P. 43". The first and second suffix to the licence code will be "SJC". This will also be repeated in the letter from CIE forwarding the import licence to West Bengal State Electricity Board which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Japan Section).

I (iii) Import licence(s) can be issued only in favour of Andhra Pradesh State Electricity Board on CIF basis.

I (iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 28.711 billion (CIF) as specified at (ii) above.

I (v) The extension of the validity of the import licence may on application by importer, be granted upto a further period of 12 months. Any request for further extension/issue of fresh licence may be referred to the Department of Economic Affairs (Japan Section).

I (vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I (viii) Firm order must be placed on FOB/C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "Firm Orders" means purchase orders placed by the Indian Licencee on the Overseas supplier duly signed by the letter of purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the Overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I (ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I(viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence

such proposals will invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs, (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi, who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will be authorised dealers and department authorities per permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I (x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the overseas supplier.

The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :

".....Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of.....".

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 31-12-1992.

Section II : Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II (i) The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agents commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II (ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations :—

- (a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 500 million Yen.
- (i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.
- (ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to OECF for

approval. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the evaluation report of pre-qualification, notices and instructions to bidders, bid form, proposed contract, specification and drawings and other documents related to bidding will also be submitted to OECF for its review.

(b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 500 million prior approval of OECF is not required for award of contract on the condition that tenders lots are divided reasonably. However, if OECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to OECF for its review.

(c) Consultants shall be employed in accordance with OECF Guidelines for Employment of Consultants. But prior approval of OECF shall be obtained to the following documents :—

(1) Terms of Reference

(2) Short List of Consultants

(3) Letter of Invitation

(4) Evaluation Report including Summary Evaluation Sheet.

(d) The application/documents mentioned in (a)(i), (a)(ii), (b) and (c) above will be submitted by the importer to Department of E.A., in duplicate, for submission to OECF.

II (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-P. 43 for 1987-88 the details of which are given in Section VII below.

II (iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II (v) Eligibility of Supplier.—The supplier shall be nationals of the eligible source countries, or juridical persons incorporated and registered in eligible source countries and controlled by nationals of the eligible source countries.

II (vi) Permissible imports from non-eligible source countries.—Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or

countries may be made, provided that the imported portion is less than fifty per cent (50 per cent) of the price per unit of such products in accordance with the following formulae :

$$\frac{\text{IMPORTED CIF PRICE} + \text{IMPORT DUTY}}{\text{SUPPLIER'S FOB PRICE}} \times 100$$

(In case of Indian Supplier, Ex-factory price shall be adopted).

II (vii) Declaration in Contract.—The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I, the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in _____ (name of eligible source country)."

I, the undersigned, further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than thirty per cent (30 per cent) in accordance with the following formula :

$$\frac{\text{IMPORTED CIF PRICE} + \text{IMPORT DUTY}}{\text{SUPPLIER'S FOB PRICE}} \times 100$$

(Where applicable Ex-factory price)

"I, the undersigned, hereby certify that _____ (Name of company) has been incorporated and registered in _____ (Name of eligible source country), and is controlled by nationals of _____ (name of eligible source countries concerned)."

Section III : Conditions to be incorporated in the supply contracts.

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

(a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 10th February, 1988 concerning the Yen Credit No. ID-P (Project Aid) for Srisailam Left Bank Power Station Project (Phase I).

(b) Payments to the Supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P. 43 dated 10th February, 1988 between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

(c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.

- (d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vii) above.
- (e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese Supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India atleast six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian Importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the embassy of India, Tokyo.

Section IV : Review of Contract by OECF.

IV (i) Within stipulated period for placement of orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier of their photocopies complete in all respects, together with two photocopies of the relevant and valid import licence and two copies of the "Request for issue of L.A." in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendment causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (Department of E.A.) will send Notice of conclusion of Contract alongwith a copy of the contract to OECF for its review. A copy each of the Notice will also be sent by Department of E.A. to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA&A alongwith one copy each of "Request for issue of L.A." and photocopy of import licence.

Section V : Payment to the Overseas suppliers— Letter of Credit Procedure.

V (i) On receipt of the Notice of Conclusion of contract and contract document from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, The CAA&A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached at Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an Irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of

the Overseas Suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank of India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would ipso facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo who will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

V (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations there-under and charges if any of overseas suppliers' bankers are to be borne by the importer/overseas suppliers. A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt of an amount equal to one-tenth per cent (0.1 per cent) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF.

The importer is required to deposit into the Government of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance. Interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1 per cent is payable by the importer under the reimbursement procedure also. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers Bank of India by remittance to the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

V (v) Reimbursement Procedure.—Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE attached to the loan agreement.

Section VI : Responsibility for rupee deposit.

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accord bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or S.B.I., Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee equivalents of the Yen payments calculated at the rate prevailing from time to time, the present rate being 12 per cent per annum for the first 30 days and @ 19 per cent per annum for the period

in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas Supplier to the date of actual rupee deposit, have also to be deposited alongwith the principal payment, in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)|83 dated 10-8-1983. It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)|74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)|76 dated 12-10-1976 and Public Notice No. 31-ITC(PN)|83 dated 10-8-1983.

The importer should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents by the importers Banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notice No. 109-ITC(PN)|74 dated 3-8-1974 and 8-ITC(PN)|76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India.

Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amount due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importers should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amount due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importers fail to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further LAs to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-843—Civil Deposit—Deposits for purchase etc. abroad-Purchase under credit/loan Agreements". Loans from the Government of Japan-26.101 Billion yen credit No. ID-P. 4 for the Srisailam Left Bank Power Station Project Phase (I).

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 513000009 on the right hand corner of the challan or State Bank of Ind'n, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices No.

184-ITC(PN)|68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)|68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN)|71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)|74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)|76 dated 12-10-76.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) while filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)|71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury challans :—

- Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- Amount of yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note :—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section—VII Miscellaneous Provisions

VII (i) Reports on utilisation of the import licence.—The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts & Audit, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

VII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions.—The licences should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

VII (iii) Disputes.—It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be

fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VII (iv) Future Instructions.—The licences shall promptly comply with any directions, instructions of orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matter arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P.43 with the Overseas Economic Co-operation Fund of Japan (OECF).

VII (v) Breach or violation.—Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate section under the Imports and Exports (Control) Act.

VII (vi) List of Annexures.

Annexure.—I List of eligible source countries.

Annexure.—II Request for issue of Letter of Authority.

Annexure.—III Form of Letter of Authority.

Annexure.—IV Form of Letter of Credit (Applicable to imports).

Annexure.—V Form of Letter of Credit (Applicable to Services).

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. Developing Countries and Territories

(a1) Non-OPEC Developing Countries

I. AFRICA, North of Sahara

Egypt
Morocco
Tunisia

II. AFRICA, South of Sahara

Angola
Benin
Botswana
Burundi
Cameroon
Cape Verde Islands
Central African Rep.
Chad
Comoro Islands
Congo, People's Republic of Dahomey
Equatorial Guinea (1)
Ethiopia
Gambia

(1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of Fernando PO.

Ghana
Guinea
Ivory Coast
Kenya
Lesotho
Liberia
Malagasy Republic
Malawi
Mali
Mauritania Mauritius
Mozambique
Niger
Portuguese Guinea
Reunion
Rhodesia
Rwanda
St. Helena and dep (2)
Sao Tome and Principe
Senegal
Seychelles
Sierra Leone
Somalia
Sudan
Swaziland
Terror, Afars and Issas
Togo
Uganda
U. Rep. of Tanzania
Upper Volta
Zaire Republic
Zambia

III AMERICA, North and Cont.

Bahamas
Barbados
Belize
Bermuda
Costa Rica
Cuba
Dominican Republic
El Salvador
Guadeloupe
Guatemala
Haiti
Honduras
Jamaica
Martinique
Mexico
Netherlands Antilles
Nicaragua
Panama
St. Pierre & Miquelon
Trinidad and Tobago

(2) Including the following islands : Ascension, Tristan da Inaccessibles, Nightingale, Gough.

(3) Main islands, Aruba, Bonaire, Curacao, Saba.

III. AMERICA, North & Central West Indies (Br.) n.i.e.	Philippines Singapore Taiwan Thailand Timor Viet-Nam, Rep. of Viet-Nam, Dem. Rep.
(a) Associated States (1)	
(b) Dependencies (2)	
IV. AMERICA, South	
Argentina	
Bolivia	
Brazil	
Chile	
Colombia	
Falkland Islands	
French Guiana	
Guyana	
Paraguay	
Peru	
Surinam	
Uruguay	
V. ASIA, Middle East	
Baharain	
Israel	
Jordan	
Lebanon	
Oman	
Syrian Arab Republic	
United Arab Emirates (3)	
Yemen Arab Republic	
Yemen, People's D.R. (4)	
VI. ASIA, South	
Afghanistan	
Bangladesh	
Bhutan	
Burma	
India	
Maldives	
Nepal	
Pakistan	
Sri Lanka	
VII. ASIA, Far East	
Brunei	
Hong Kong	
Khmer Republic	
Korea, Republic of	
Laos	
Macao	
Malaysia	
VIII. OCEANIA	
Cook Islands	
Fiji	
Gilbert & Sellice Is.	
French Polynesia (5)	
Nauru	
New Calendonia	
New Hebrides (Br. and Fr.)	
Niue	
Pacific Islands (US) (6)	
Papua New Guinea	
Solomon Islands (Br.)	
Tonga	
Wallis and Mutuna	
Western Samoa	
IX. EUROPE	
Cyprus	
Gibraltar	
Greece	
Malta	
Spain	
Turkey	
Yugoslavia	

(a2) Member of Association Countries of OPEC

Algeria
Bolivia
Libyan Arab Republic
Gabon
Nigeria
Ecuador
Venezuela
Iran
Iraq
Kuwait
Qatar
Saudi Arabia
Abu Dhabi
Indonesia

1. Main Islands : Antique, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Caristophe), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent).
2. Main Islands : Montserrat, Cayman, Turks and Caicos and British Virgin Islands.
3. Ajman, Dubai, Fugairah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quaiwain.
4. Including Aden and various sultantes and emirates.
5. Comprising the Society Islands (including Tahiti) The Austral Islands, the Tuamotu-Gambier Group and the Marquesas Islands.
6. Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands Marshall Islands, and Marine Islands (except (Guam).

ANNEXURE II
REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No. Date :

To, The Controller of Aid Accounts & Audit,
 Ministry of Finance,
 Department of Economic Affairs,
 UCO Bank Building, 1st Floor,
 Parliament Street,
 New Delhi-110001.

Sub : Import of _____ from _____
 under the Yen Credit No. ID-P-_____
 (Project Aid for 1977)

Sir,

In connection with the import _____ from _____ under the above mentioned Yen Credit No. ID-P-_____(Project Aid) we furnish the following particulars to enable you to issue the Letter of Authority to the _____(name of the Bank) which should be the same as given in (P) below for opening a letter of credit in favour of the overseas supplier concerned.

- (a) Name and Address of the Indian importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement—whether it is based on direct purchase or formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB|C&F value of contract (in Yen).
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen, if any).
- (i) Net FOB|C&F value (in Yen) for which the letter of Authority is required
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
- (k) Name and address of the Overseas Supplier.
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if transhipment/part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's bank in India

(q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No., date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.

(r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the Importer or Supplier

(s) Undertaking by the importer :—

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposit will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers".

ANNEXURE-III

(Letter of Authority Form)

No. F.

GOVERNMENT OF INDIA
 MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)
 New Delhi, the

To

The Bank of India,
 Tokyo Branch,
 Tokyo (Japan)

Subject : Import under yen Credit (Project Aid)
 Loan Agreement No. ID-P-_____-Issue of
 Letter of Authority for opening Letter of
 Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 25-3-80 entered into with your Bank, you are hereby authorised to open irrevocable Letter of Credit for an amount not exceeding Yen _____ favouring M/s. _____ as per attached details.

2. A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank to the OECF Embassy of India Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursement of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to _____ (Name and address of the importers' Bankers) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned Importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers banking if any, are to be borne by the overseas Supplier|Importer and may, therefore, be recovered from the Supplier|Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. As and when payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid up to _____.

9. Please quote the number given at the top of this letter of instructions in all correspondence relating to the contract and also in the advice showing payment.

Yours faithfully,
(Accounts Officer)

Copy forwarded to :—

1. Importer _____ with reference to their letter No. _____ dated _____.

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2.(i) Importers' Banker . . . This has reference to import Licence No. _____ dt. _____. This letter of authorisation issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen credit. The licensing conditions and connected Public Notice

order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

2. (ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to overseas suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)|76 dated 17-1-1976 date or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 12 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 18 per cent per annum for period to excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier, date of reimbursements to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government Account is also required to be deposited into the Government of India Account in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)|83 dated 10-8-1983. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Suppliers and also the date on which rupee deposits is made into Government Account. (Any change in this rate will be intimated if and when made.) It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection, their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITO(PN)|68 dated 30-8-68 233-ITC(PN)|68 dated 24-10-1968, 132-ITC(PN)|71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)|74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)|76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances-843-Civil Deposits-Deposit for purchases etc. abroad under Purchases under Credit|Loan Agreements"—Loans from the Government of Japan—billion Yen Credit (Project Aid) No. IDP _____ for 1988.

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)|71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in Public dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents, deposited should be furnished to this Department.

Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the

supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

3. The Director, Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Gode Building, 4-1 Otemachi 1-Chome, Chiyoda-Ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer.

ANNEXURE-IV

Form OECF-LC I

Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for goods)

Date:

To ————— This letter of Credit has been issued pursuant to Loan
——— Agreement No. —————
Dated —————
between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. ————— in your favour for account of ————— for a sum of sums not exceeding an aggregate amount of Yen ————— (Say yen —————) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents :

Signed commercial invoice in full asset of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" other documents.

Evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped evidencing shipment

shipped referring to Contract No. ————— (if any) from ————— to ————— Partial shipments are permitted. Transhipment is ————— permitted.

Bills of Lading must be dated not later than

Drafts must be presented for negotiation not later than

All Drafts and documents under this credit must be marked

"Drawn under ————— irrevocable credit No. ————— and dated ————— and Import Reference No.(s) (if any)

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank.

1. After obtaining the reimbursement for our payments from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.

2. The negotiating bank must forward the drafts and the complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to —————

3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

.....
(a commercial bank)

By —————
Authorised signature)

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our Letter of Credit No. —————.

I. Initial Payment

Amount : Yen —————
being ————— % of the total contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

II. Intermediate Payment (if any)

Amount : Yen —————
being ————— % of the total contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

III. Payment against Shipping Documents

Amount : Yen —————
being ————— % of the total contract price.

Note : This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.

ANNEXURE-V

Form OECF-LC II

Irrevocable Letter of Credit

(Applicable for Services)

Date :

To —————

—————
—————

(Name and address of the supplier)

This Letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. ————— dated —————, between Borrower and the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. ————— in your favour for account of for a sum or

sums not exceeding an aggregate amount of Yen ----- (Say Yen -----) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. ----- with regard to Project). Drafts must be presented for negotiation for later than

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. -----".

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instructions to the negotiating bank :

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the Payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.

2. After obtaining the reimbursement for our Payment from the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.

3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.

4. All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By: -----
(Authorised Signature)

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No. -----.

I. Initial Payment
Amount : Yen ----- being ----- % of the total contract price
Required documents : beneficiary's Statement latest presentation date :

II. Progress Payment
Aggregate amount : Yen ----- being ----- % of the total contract price to be paid as follows :
Amount due Latest presentation Yen
1st Instalment : Yen
2nd Instalment : -----

Required documents : A copy of Statement of Performance issued by (Borrower or its designation authority), a form of which is attached hereto.
Statement of Performance Date :
Ref. No.

To -----

(Name and address of the supplier)

Re : Letter of Credit No. -----, dated issued by ----- for Yen ----- in favour of ----- concerning ----- Project under Loan Agreement No. -----.

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue a Statement of Performance to entitle ----- to receive the sum of Yen ----- (Yen ----- only) from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the payment Terms stipulated in the Contract No. -----, dated ----- between ----- and -----.

(Borrower)

By: -----
(Authorized Signature)

Special Instructions :

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.

